संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -252 शनिवार ,13 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का तेरहवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?
घटती-घटना अखबार में स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री संजय मरकाम व उनके भतीजे प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की कमियों की छप रही खबर को रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त सहसंचालक आइपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव को किया आगे ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संपादकीय

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने एमसीबी जिले के कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान को लेकर दी धरना प्रदर्शन की चेतावनी

» दैनिक घटती-घटना का कलम बंद अभियान लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय...

» सरकार दे ध्यान...बंद कराए कलम बंद अभियान...यह है गोगपा की मांग...

-रवि सिंह-

कोरिया/एमसीबी,12 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान के 12 दिवस गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का उसे समर्थन प्राप्त हुआ है और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के एमसीबी जिलाध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने कलेक्टर एमसीबी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन क्यों बंद कराया गया है...इसकी जांच की जाए...और इस संबंध में उचित निराकरण कराया जाए...जिससे सरगुजा संभाग से प्रकाशित दैनिक घटती-घटना के निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से प्रकाशित समाचारों को संभाग सहित जिले के लोग पढ़ सकें। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कलेक्टर एमसीबी को ज्ञापन सौंपकर यह मांग की है कि यदि समाचार-पत्र दैनिक घटती-घटना का मामला,जो कलम बंद का मामला है का निराकरण जल्द नहीं होगा...तो वह धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने पूरे मामले में चिंता जाहिर करते हुए ज्ञापन में यह भी लिखा है कि प्रदेश में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के समाचार-पत्र को कलम बंद अभियान चलाना पड़ रहा है, क्योंकि कलम बंद अभियान चला रहा समाचार-पत्र सरकार और नेता मंत्रियों की कमियां प्रकाशित कर रहा था जिसके कारण उसका शासकीय विज्ञापन बंद कराया गया है।ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख है कि एक समाचार-पत्र लगातार 12 दिन से प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री से गुहार लगा रहा है... पूछ रहा है...कि वह क्या प्रकाशित करे...कमियां प्रकाशित करे या न करें...फिर भी सरकार मौन है,यह बड़ी विचित्र स्थिति है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया है कि नई सरकार को जनता ने बड़े विश्वास के साथ चुना था और लोगों को विश्वास था कि नई सरकार के राज में रामराज्य की स्थापना होगी,समाचार-पत्रों को लिखने की स्वतंत्रता होगी ,निष्पक्ष लेखन और कमियां उजागर करने का समाचार-पत्रों को अधिकार होगा लेकिन ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिल रहा है बल्कि कमियां उजागर करने पर समाचार-पत्र का विज्ञापन ही बंद किया जा रहा है और एक तरह से उसे कुचलने का प्रयास किया जा रहा है जो की गलत है। जिम्मेदार लोग जिन्हें मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है वह भी अपने पद का सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं उन्हें जिन्हें दंडित करना है...जिन पर कार्यवाही तय करनी है...उन्हें वह संरक्षण प्रदान कर रहे हैं...वहीं जिनकी पीठ थपथपाई जानी चाहिए...उन्हे दंडित किया जा रहा है...। यह भी ज्ञापन में उल्लेखित करते हुए सरकार पर प्रश्न उठाया गया गया है। कुल छः महीने की सरकार में जो कुछ देखने को मिल रहा है वह कहीं से यह साबित नहीं करता कि सरकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को स्वतंत्रता देने के पक्ष में है ,यह उल्लेखित करते हुए गोगपा ने ज्ञापन में मांग की है कि दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र का मामला क्या है...उसकी जांच कर उसका निराकरण जल्द किया जाए ...जिससे संभाग के लोग निष्पक्ष समाचार पढ़ सकें। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के ज्ञापन से यह स्पष्ट हो गया कि दैनिक घटती-घटना की निष्पक्षता पर लोगों को विश्वास है...वहीं वह स्वतंत्र लेखनी को बढ़ावा देने की बात कहते हुए शासन से जो मांग कर रहे हैं समाचार-पत्रों की स्वतंत्रता की वह अति आवश्यक है समाचार-पत्रों के लिहाज से।

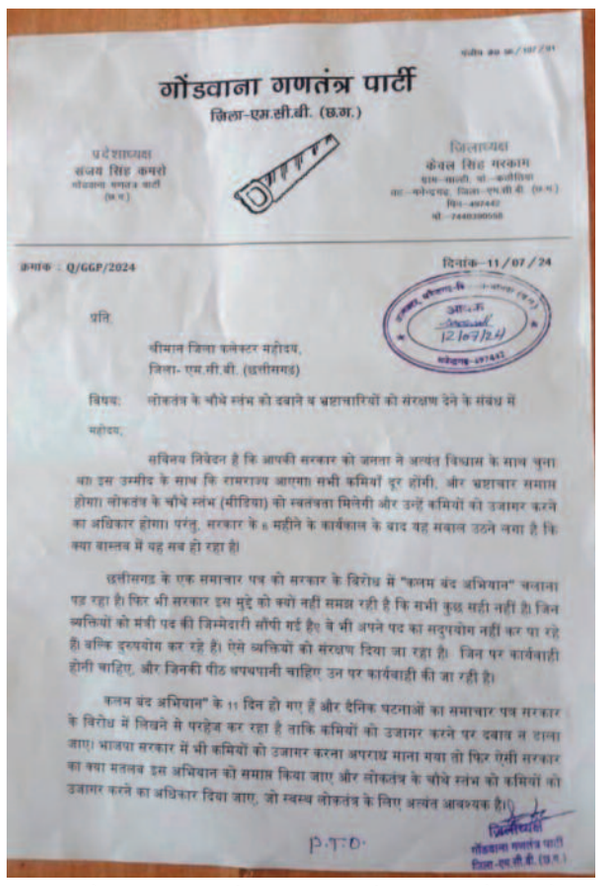

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी
जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

प्रदेशाध्यक्ष
संजय सिंह कमरो
गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (छ.ग.)

जिलाध्यक्ष
केवल सिंह मरकाम

क्रमांक : Q/GGP/2024

दिनांक-11/07/24

प्रति

श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय,
जिला- एम.सी.बी. (छत्तीसगढ़)

विषय: लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबाने व भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के संबंध में

महोदय,

सविनय निवेदन है कि आपकी सरकार को जनता ने अत्यंत विश्वास के साथ चुना था। इस उम्मीद के साथ कि रामराज्य आएगा। सभी कमियाँ दूर होंगी, और भ्रष्टाचार समाप्त होगा। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ (मीडिया) को स्वतंत्रता मिलेगी और उन्हें कमियों को उजागर करने का अधिकार होगा। परंतु, सरकार के 6 महीने के कार्यकाल के बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या वास्तव में यह सब हो रहा है।

छत्तीसगढ़ के एक समाचार पत्र को सरकार के विरोध में "कलम बंद अभियान" चलाना पड़ रहा है। फिर भी सरकार इस मुद्दे को क्यों नहीं समझ रही है कि सभी कुछ सही नहीं है। जिन व्यक्तियों को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे भी अपने पद का सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं। बल्कि दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों को संरक्षण दिया जा रहा है। जिन पर कार्यवाही होनी चाहिए, और जिनकी पीठ थपथपानी चाहिए उन पर कार्यवाही की जा रही है।

कलम बंद अभियान" के 11 दिन हो गए हैं और दैनिक घटनाओं का समाचार पत्र सरकार के विरोध में लिखने से परहेज कर रहा है ताकि कमियों को उजागर करने पर दबाव न डाला जाए। भाजपा सरकार में भी कमियों को उजागर करना अपराध माना गया तो फिर ऐसी सरकार का क्या मतलब इस अभियान को समाप्त किया जाए और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियों को उजागर करने का अधिकार दिया जाए, जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है।

P.T.O.

जिलाध्यक्ष
गोंडवाना गणतंत्र पार्टी
जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

घटती-घटना | अम्बिकापुर, रविवार 18 फरवरी 2024 | 5

क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का संलग्नीकरण समाप्त कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?

घटती-घटना | अम्बिकापुर, रविवार 18 फरवरी 2024 | 5

क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का संलग्नीकरण समाप्त कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?

घटती-घटना | अम्बिकापुर, गुरुवार 14 मार्च 2024 | 5

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में मिली कई खामियां, फिर भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे क्यों बैठा है?

घटती-घटना

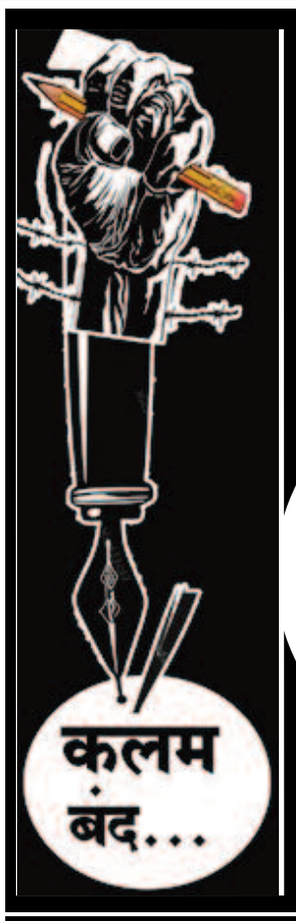

क्या कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार में इतिहास रचने जा रहा है?

घटती-घटना | अम्बिकापुर, मंगलवार 05 मार्च 2024 | 6

क्या खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के प्रमाण-पत्रों की जांच करा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का तेरहवां दिन

कलम बंद...का तेरहवां दिन

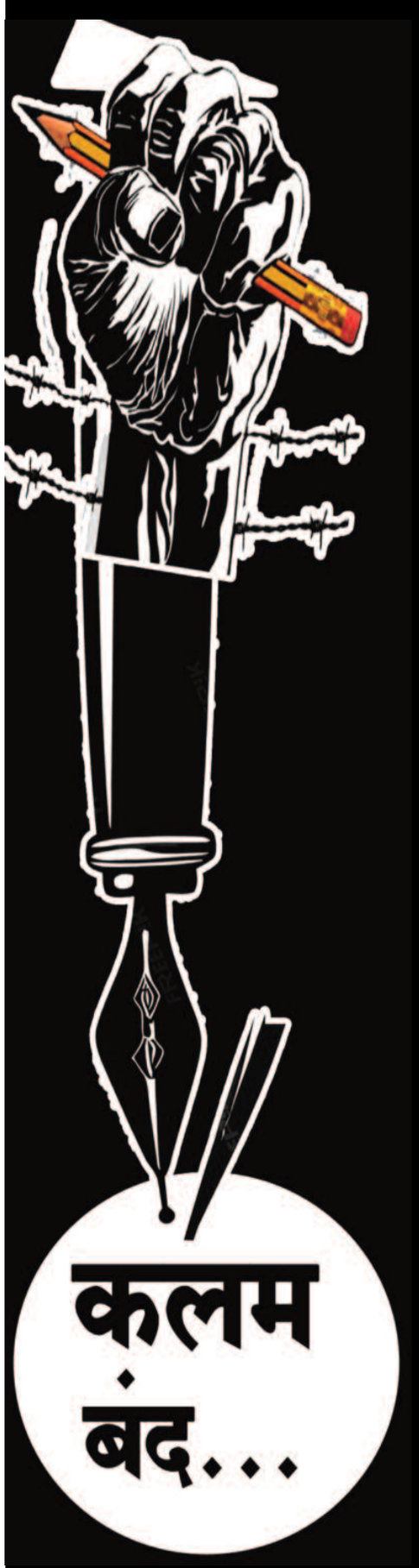

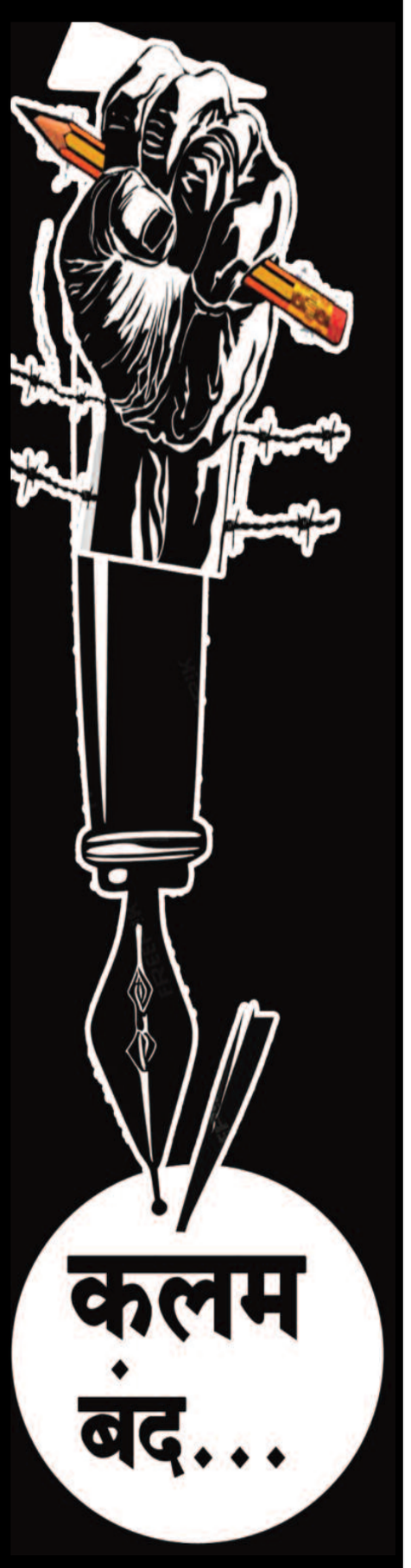

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

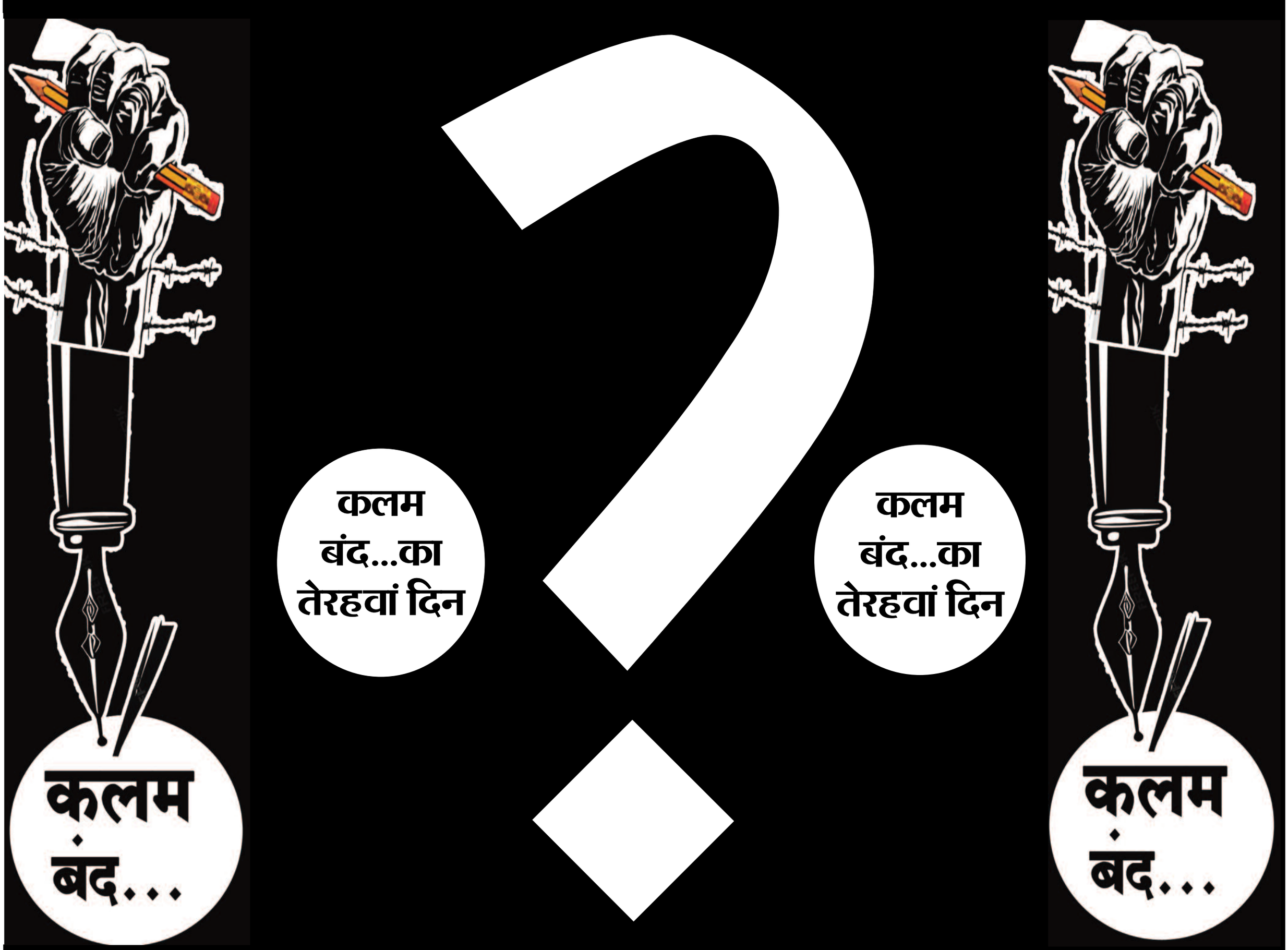

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

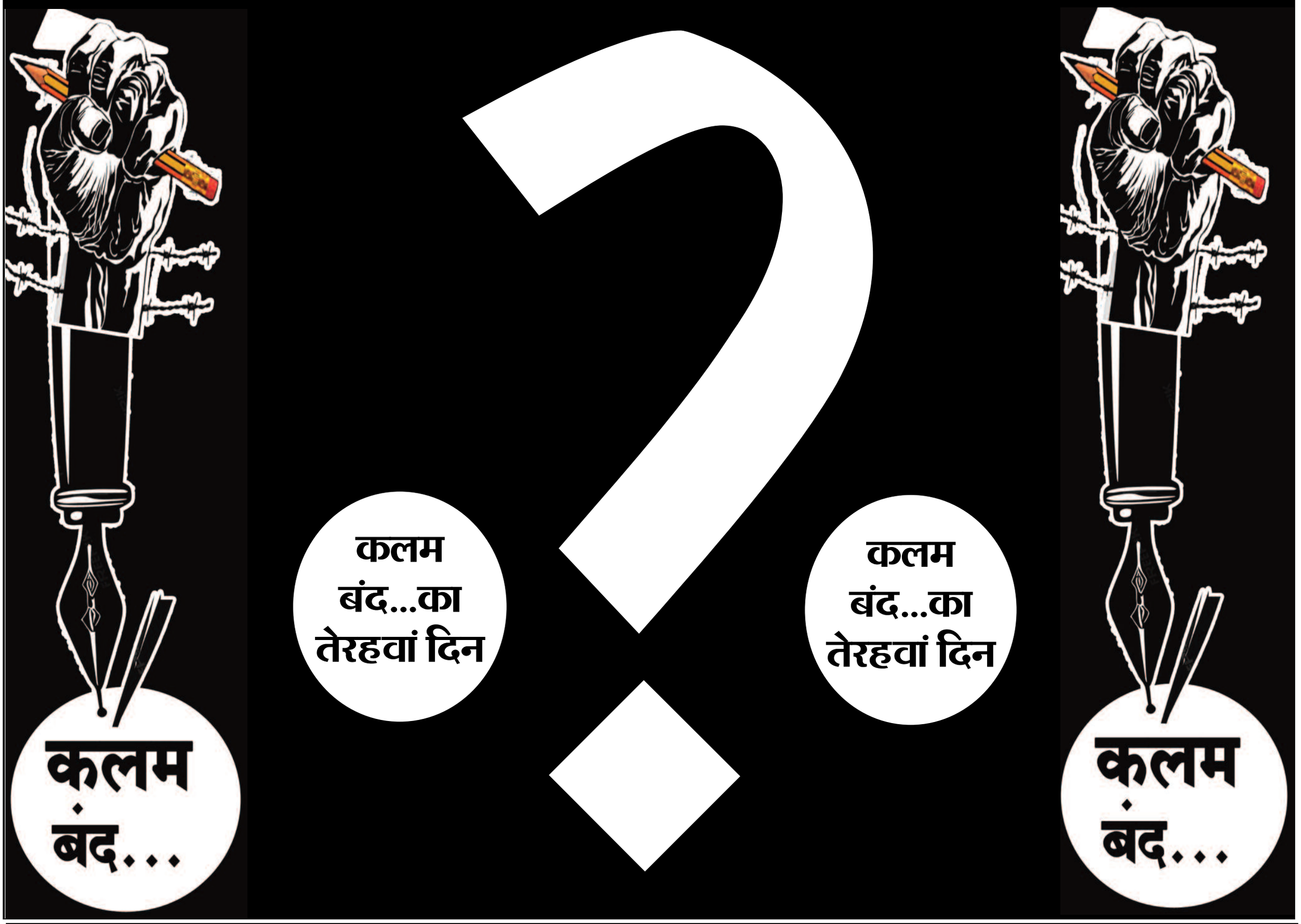

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

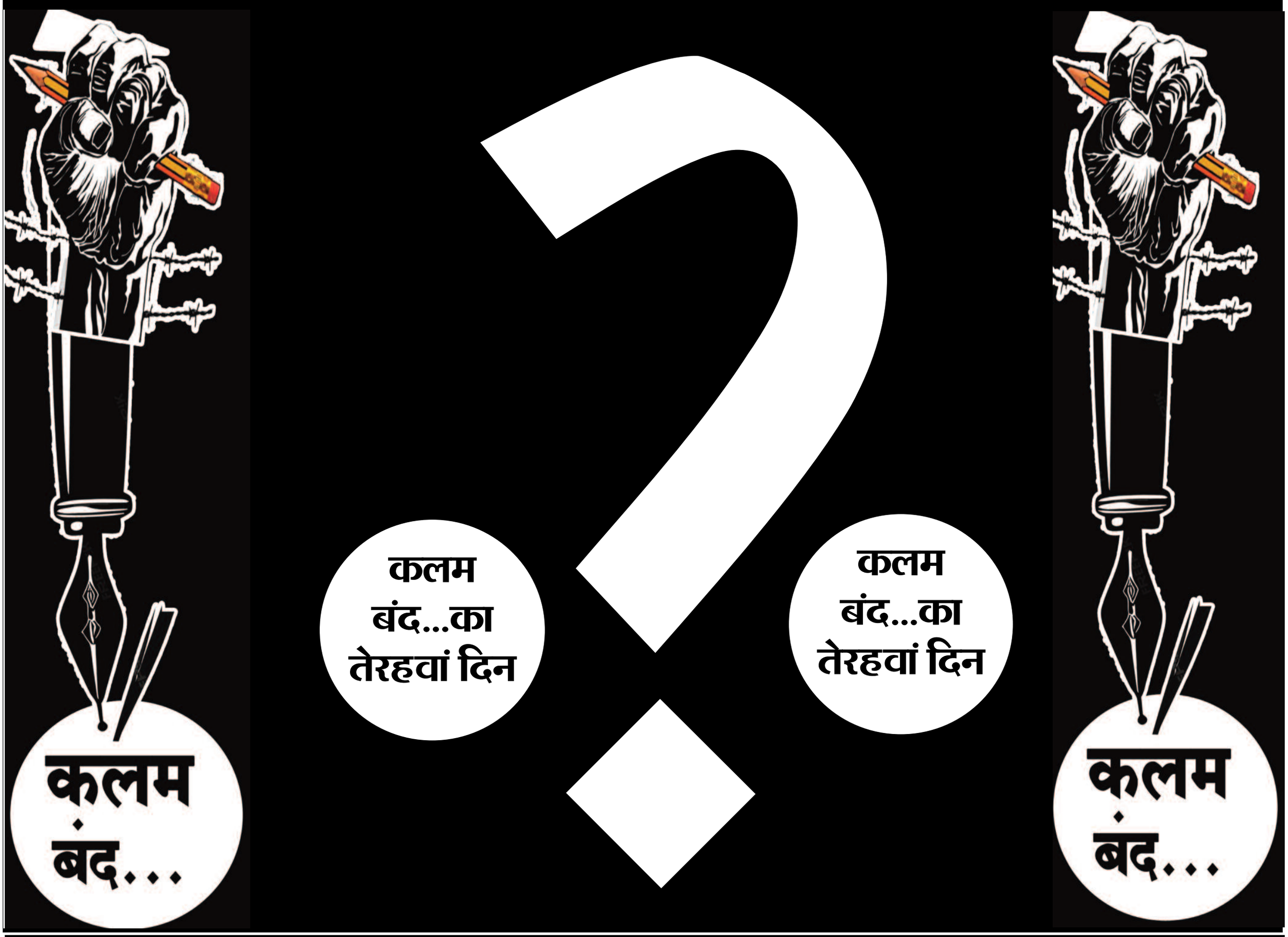

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संक्षिप्त खेल समाचार

वेकिच को हराकर पाओलिनी लगातार दूसरे ग्रैंडस्लैम फाइनल में

लंदन,12 जुलाई 2024। जैस्मिन पाओलिनी ने यहां गैर वरीय डोना वेकिच को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में

जगह बनाई जो उनका लगातार दूसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल होगा। पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए पाओलिनी ने दो घंटे और 51 मिनट चले सेमीफाइनल में वेकिच को 2-6, 6-4, 7-6 (10-8) से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सातवीं वरीय पाओलिनी ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरा सेट अपने नाम किया। वह तीसरे और निर्णायक सेट में 1-3 से पीछे थी लेकिन वापसी करते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहीं। पाओलिनी ने अंततः अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर अंक जुटाकर जीत दर्ज की। वह पिछले महीने रोलां गैरो पर फ्रेंच ओपन के फाइनल में इगा स्वियातेक के खिलाफ हार गई थी। इटली की 28 साल की पाओलिनी एक ही सत्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन के खिताब मुकाबले में जगह बनाने वाली 2015 और 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद पहली महिला हैं। फाइनल में पाओलिनी की भिड़ंत एलेना रिबाकिना और बारबरा क्रेसिकोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से शनिवार को होगी।

जेम्स एंडरसन 40,000 गेंद फेंकने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

क्वींसलैंड,12 जुलाई 2024। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे हैं। इस टेस्ट मैच के दूसरे दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी पारी में उन्होंने 10 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिए और 5 ओवर मेडन भी फेंके। अपनी गेंदबाजी के दौरान एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में 40 हजार गेंद फेंकने का कमाल कर डाला और क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में बतौर तेज गेंदबाज ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने। इसके अलावा उन्होंने मुथैया मुरलीधरन, अनिल कुंबले और शेन वॉर्न की खास लिस्ट में भी जगह बना ली है।

वहीं जेम्स एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में 40,000 गेंद फेंकने का कमाल किया। वो टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बने, लेकिन ओवरऑलर वो टेस्ट में ऐसा करने वाले चौथे गेदंबाज बने एंडरसन वर्ल्ड के पहले ऐसे फास्ट बॉलर बन गए जिन्होंने टेस्ट में 40 हजार गेंद फेंकने का कमाल किया है।

भारत और जिम्बाब्वे के बीच चौथा टी 20 मैच आज

» जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय युवा ब्रिगेड की नजरें सीरीज जीतने पर होंगी...

नई दिल्ली,12 जुलाई 2024। भारतीय क्रिकेट की युवा ब्रिगेड जिम्बाब्वे के खिलाफ शनिवार को चौथे टी 20 मैच के जरिये सीरीज अपने नाम करके एक नये दौर का आगाज करने के इरादे से उतरेगी। पहले मैच में अप्रत्याशित हार के बाद शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा मैच भारी अंतर से जीतकर 2-1 से बढत बना ली है।

मौजूदा क्रिकेट परिदृश्य में जिम्बाब्वे पर जीत बहुत बड़ी नहीं कही जायेगी लेकिन इससे उन युवाओं में उम्मीद जरूर पैदा होगी जो आधुनिक क्रिकेट के कुछ दिग्गजों के संन्यास के बाद

भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में हैं। इनमें वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा शामिल हैं। टी20 क्रिकेट से रविंद्र जडेजा के संन्यास के बाद वॉशिंगटन की नजरें स्पिन हरफनमौला के रूप में टीम में जगह पक्की करने पर लगी है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 4-5 की इकॉनॉमी रेट से छह विकेट लिये। श्रीलंका दौरे के लिये सफेद गेंद की टीम चुनते समय उनके नाम पर विचार जरूर होगा। उपयोगी स्पिन गेंदबाज होने के साथ वह निचले क्रम के अच्छे बल्लेबाज भी हैं। वहीं अभिषेक ने दूसरे टी20 में 47 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा की बानगी पेश की। भारत के पास अब इस प्रारूप में विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं हैं लिहाजा वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरूआत काविकल्प हो सकते हैं।

वह एक और अच्छी पारी खेलकर अपना दावा पक्का करना चाहेंगे।

संजू सैमसन और शिवम दुबे के लिये भी इस सीरीज में बहुत कुछ दांव पर है। टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद मुंबई में विजय परेड में भाग लेकर यहां आये दुबे और सैमसन बाकी दोनों मैचों में उम्दा प्रदर्शन करना चाहेंगे। भारतीय टीम प्रबंधन अपने गेंदबाजों खासकर लेग स्पिनर रवि बिश्नोई के प्रदर्शन से खुश होगा जिसकी गुगली मेजबान बल्लेबाज खेल ही नहीं पा रहे हैं। बिश्नोई, आवेश खान और वॉशिंगटन छह-छह विकेट ले चुके हैं। मुकेश कुमार को पिछले मैच में आराम दिया गया था जो आवेश की जगह खेल सकते हैं।

दूसरी ओर पहला मैच जीतने के अलावा जिम्बाब्वे ने इस सीरीज में कुछ उल्लेखनीय नहीं किया है। उसके तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजाराबानी और अर्धशतक जमाने वाले डियोन मायर्स के अलावा कोई खिलाड़ी छाप नहीं छोड़ सका है।

टीमें इस प्रकार हैं...

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, रूतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, मुकेश कुमार, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, तुषार देशपांडे।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया , क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स , एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा।

26 जुलाई से होगी पेरिस ओलम्पिक की शुरूआत

» भारतीय निशानेबजों पर रहेंगी सभी की नजरें,

» चीन के बाद रहेगा सबसे बड़ा दल

पेरिस,12 जुलाई 2024। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई से खेलों के महाकुंभ ओलंपिक की शुरुआत होगी, जिसमें इस भारतीय फैंस को भी पिछली बार से अधिक पदक जीतने की उम्मीद अपने खिलाड़ियों से हैं। इस बार भारत की तरफ से पिछले सभी ओलंपिक के मुकाबले कुल 21 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें भारतीय निशानेबाजों के दल के बाद दूसरा सबसे बड़ा दल शूटिंग में चीन का है जिनकी तरफ से 22 निशानेबाज हैं। वहीं कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं तो अलग-अलग शूटिंग के इवेंट्स में भी हिस्सा लेते हुए दिखाई देंगे। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों की तरफ से बेहतर प्रदर्शन देखने को नहीं मिला था, लेकिन इस बार तस्वीर थोड़ा अलग देखने को मिल सकती है।

पेरिस ओलंपिक में इन भारतीय निशानेबाजों से सबसे ज्यादा उम्मीदें

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत की

तरफ से हिस्सा लेने वाले निसानेबाजों में कुछ ऐसे शूटिंग के खिलाड़ी जिनसे सभी को पदक जीतने की उम्मीद जरूर है। इसमें पहले नंबर पर मनु भाकर का नाम है जो शूटिंग के अलग-अलग 3 इवेंट में हिस्सा लेंगी। इसके अलावा ऐश्वर्य, एलावेनिल, अंजुम जो पहले भी ओलंपिक खेलों में हिस्सा ले चुकी हैं उनसे भी सभी को उम्मीद रहेगी। इस बार भारतीय निशानेबाजों को अपने निजी प्रशिक्षकों को भी साथ लेकर जाने की छूट मिली है जिसमें प्रशिक्षकों को खेल गांव की जगह वहां से पास होटल में रुकने का इंतजाम कराया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा लेने वाले भारतीय निशानेबाज

एलावेनिल वलारिवान और रमिता जिंदल-महिला 10 मीटर एयर राइफल इवेंट

मनु भाकर और रिदम सांगवान-महिला 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट

मनु भाकर और ईशा सिंह-महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट

सिफ्त कौर सामरा और अंजुम मुद्गिल-महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन इवेंट

सरबजोत सिंह और मनु भाकर के अलावा अर्जुन सिंह चीमा और रिदम की जोड़ी-10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट

सरबजोत सिंह और अर्जुन चीमा-पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट

संदीप सिंह और एलावेनिल के अलावा अर्जुन और रमिता की जोड़ी-10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट

एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले-पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन इवेंट

अनीश भानवाला और विजयवीर सिंद्धू-पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल इवेंट

संदीप सिंह और अर्जुन बाबुता-पुरुष 10 मीटर एयर राइफल इवेंट

26 जुलाई से शुरू होगी श्रीलंका के खिलाफ टी 20 सीरीज

बीसीसीआई ने की कार्यक्रम की घोषणा

नई दिल्ली,12 जुलाई 2024। वर्तमान में भारतीय युवा टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है। लेकिन इसके बाद भारतीय टीम टीम को 26 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज खेलनी है। जिसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआई ने भारत के श्रीलंका दौरे का शेड्यूल जारी किया है। जहां भारतीय टीम 26 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की टी 20 सीरीज में हिस्सा लेगी। जिसके बाद दोनों टीमों के बीच इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। जो कि 1 अगस्त से शुरू होगी।

श्रीलंका के खिलाफ टी 20 और वनडे सीरीज का कार्यक्रम

26 जुलाई-पहला टी20 मैच (पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम)

27 जुलाई-दूसरा टी20 मैच (पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम)

29 जुलाई-तीसरा और आखिरी टी20 मैच (पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम)

1 अगस्त-पहला वनडे मैच (कोलंबो, प्रेमदासा स्टेडियम)

4 अगस्त-दूसरा वनेड मैच (कोलंबो, प्रेमदासा

स्टेडियम)

7 अगस्त-तीसरा और आखिरी वनडे मैच (कोलंबो, प्रेमदासा स्टेडियम)

वहीं कहा जा रहा है कि, श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की कमान हार्दिक पंड्या को मिल सकती है। बता दें कि, हाल ही में संपन्न हुए टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीत के बाद रोहित शर्मा ने टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। जिसके बाद हार्दिक पंड्या के नाम पर बतौर टी20 कप्तान के नाम की अटकलें शुरू हो गई हैं।

जबकि वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया की कमान केएल राहुल के हाथ में जा सकती है। दरअसल, रोहित शर्मा ने बोर्ड से लंबा ब्रेक लिया है। जिस कारण उनकी अनुपस्थिति में केएल राहुल वनडे सीरीज के लिए टीम के कप्तान हो सकते हैं।

सरफिरा ट्वीटर रिव्यूः7 फ्लॉप देने के बाद उम्मीद का तिनका लेकर आए अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा आखिरकार 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। परेश रावल और राधिका मदान और अक्षय कुमार, साउथ के सुपरस्टार सूर्या के कैमियो के साथ, सरफिरा 2020 की तमिल फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक रीमेक है। फिल्म को लेकर हालांकि पहले से ही चर्चा हो रही थी और इसे लेकर इतनी उम्मीद नहीं थी लेकिन लोगों के रिएक्शन कुछ और ही बता रहे हैं। लोग सरफिरा देखने के बाद क्या कह रहे हैं।

सीन के लिए अक्षय ने किया ये

इससे पहले, एक इंटरव्यू में, अक्षय ने अपनी एक्टिंग के बारे में बात की थी, खासकर सरफिरा में एक इमोशनल सीन के दौरान, जहां उनका किरदार वीर म्हात्रे अपने पिता को खो देता है। सीन पर बात करते हुए, अक्षय ने खुलासा किया कि उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में जान डालने के लिए अपने पिता हरिओम भाटिया को खोने के पल को याद किया।

अनंत-राधिका की शादी से पहले प्रियंका चोपड़ा ने एक और फंक्शन किया अटेंड

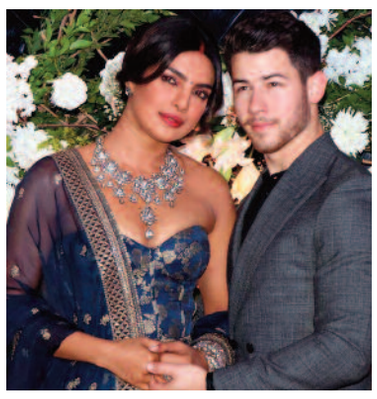

प्रियंका चोपड़ा गुरुवार को लौटी हैं। वह अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की भव्य शादी में शामिल होने के लिए भारत आई हैं। हालांकि अंबानी परिवार की खुशियों का हिस्सा बनने से पहले प्रियंका चोपड़ा पति निक जोनस के साथ एक और समारोह का हिस्सा बनीं। उनकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। देसी गर्ल से ग्लोबल आइकॉन तक का सफर तय करने वाली प्रियंका चोपड़ा काम में व्यस्त होने की वजह से इंडिया कम ही आ पाती हैं, लेकिन जब भी अपने देश आती हैं, फैंस के चेहरों पर एक बड़ी सी मुस्कान आ जाती है। अन्य मेहमानों की तरह प्रियंका चोपड़ा भी अंबानी परिवार की खुशी में शामिल होने के लिए इंडिया आई हैं। वह 12 जुलाई को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की ग्रैंड वेडिंग में शामिल हुई, लेकिन उससे पहले प्रियंका चोपड़ा एक और समारोह का हिस्सा बनीं, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा-निक जोनस ने परिवार संग की पार्टी

प्रियंका चोपड़ा ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने से पहले बीती रात भाई सिद्धार्थ चोपड़ा का 35वां जन्मदिन मनाया। एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें शेयर कीं। पहली फोटो में एक्ट्रेस पति निक जोनस के साथ हैं। उन्होंने ऑफ शोल्डर ब्लू गाउन पहना है, जिसमें एक्ट्रेस बला की खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं, अन्य फोटो में उनके दोस्त और करीबी नजर आ रहे हैं।

प्रियंका चोपा ने सिद्धार्थ और अपनी सास को किया विश

सिद्धार्थ चोपड़ा के जन्मदिन की पार्टी में प्रियंका-निक और कजिन मनारा चोपड़ा के अलावा उनकी मंगेतर नीलम उपाध्याय भी मौजूद रहीं। आज अभिनेत्री के सिर्फ भाई का ही नहीं, बल्कि उनकी सास और निक जोनस की मां का भी जन्मदिन है।प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भाई सिद्धार्थ और सास का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो को शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में दोनों करीबियों पर खूब प्यार लुटाया।

रिस्क लेकर किया था मैंने डाकू हसीना

जीनत अमान एक समय की मोस्ट डिमांडिंग एक्ट्रेसेज में शामिल हुआ करती थीं। बोल्डनेस के लिए मशहूर जीनत ने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है यहां तक कि अपनी प्रेग्नेंसी के दिनों में भी। हाल ही में जीनत अमान ने बताया कि उन्होंने तीसरे ट्राइमेस्टर के दौरान शूटिंग की थी। जीनत ने एक हालिया पोस्ट में बताया कि कैसे उनका बेबी बंप छुपाया गया था।

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान अपने दौर की सफल अभिनेत्रियों में शुमार थीं। आज भले ही वह फिल्मों से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वह अपने पुराने दिनों को याद कर फिल्मी किस्सों के बारे में फैंस को बताती रहती हैं। हाल ही में, जीनत अमान ने अपनी आखिरी फिल्मों में से एक डाकू हसीना के बारे में बताया है।

अशोक रॉय निर्देशित फिल्म में जीनत अमान ने रूपा का किरदार निभाया था, जो माता-पिता की हत्या के बाद अनाथ हो जाती है। माता-पिता के खून का बदला लेने के लिए वह मंगल सिंह (बॉलीवुड में अपने कुछ कैमियो में प्रतिष्ठित रजनीकांत) की मदद लेती है। इसके बाद जीनत करूर डाकू हसीना रूपा बन जाती है। अभिनेत्री ने इस फिल्म को लेकर पोस्ट शेयर किया है और बताया है कि वह इस फिल्म के शूट के वक्त प्रेग्नेंट थीं।

जीनत अमान ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर डाकू हसीना के दो पोस्टर्स शेयर किये हैं और सेट से अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ उन्होंने लिखा, ÷यह मेरे लंबे ब्रेक से पहले की आखिरी फिल्मों में से एक थी। मैं शूटिंग के शुरुआती दिनों में ही गर्भवती हो गई थी और शूटिंग के अंत तक मैं तीसरे ट्राइमेस्टर में आ गई थी। मेरा पतला शरीर स्वाभाविक रूप से बड़ा हो गया था, इसलिए मेरे पेट को छिपाने के लिए करू ने कई क्रिएटिव शॉट्स लिये।

जीनत अमान ने आगे कहा, इनमें से कुछ में मैं घोड़े की सवारी कर रही थी, जिससे कुछ चिंताएं भी थीं। पिछली शूटिंग के दौरान घोड़े पर सवार होने के दौरान मैं डर गई थी, जब सेट पर बनावटी बारिश और तेज स्पीकर की वजह से बेचारा जानवर भाग गया था। मैं अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित नहीं थी, लेकिन मेरे गर्भ में पल रहे बच्चे की सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण थी। सौभाग्य से हम बिना किसी दुर्घटना के इन सींस को शूट करने में सफल रहे।

जीनत अमान ने आगे कहा, याददाश्त बहुत कमजोर होती है। फिल्म के क्लिप देखते हुए मुझे पता चला कि मेरे बच्चों के पिता मजहर (जीनत के पूर्व पति) की भी इसमें स्पेशल अपीयरेंस थी। वह कव्वाली नंबर में हैं, जिसे मैं भूल ही गई थी।

डाकू बनकर खुश थीं जीनत

जीनत अमान ने आगे बताया, डाकू हसीना 1987 में रिलीज़ हुई थी और यह उस समय के मूड के बिल्कुल अनुरूप थी। 80 के दशक में भारत में नारीवादी तूफान चल रहा था। लिंग के बारे में कानूनी सुधार और सामाजिक जागरूकता शहर में चर्चा का विषय थी, जिसका श्रेय उस समय की असाधारण महिला कार्यकर्ताओं को जाता है। मुक्ति का एक निश्चित माहौल था, पितृसत्ता की भयावहता पर आक्रोश की बात तो छोड़ ही दें और एक दमदार भूमिका निभाना बहुत अच्छा लगा।

फिल्म के फ्लॉप होने पर बोलीं जीनत अमान

जीनत अमान ने बताया, मुझे नहीं लगता कि फिल्म ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन ये पोस्टर इतने पुराने रत्न हैं कि मुझे इन्हें आपके साथ साझा करना ही था। काश मैं इससे और भी तस्वीरें पा पाता-क्योंकि मेरा लुक बहुत बढ़िया था-लेकिन अफसोस कि ऐसी बहुत कम तस्वीरें हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्षम प्राधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-पचिरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विकास कुमार अग्रवाल आ0 श्री सुरेश कुमार अग्रवाल , जाति अग्रवाल ,निवासी ग्राम- सूरजपुर, पोस्ट ,तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम- पचिरा ,प0 ह0 नं0 18, रा0नि0मं0 पचिरा तहसील-सूरजपुर ,स्थित खसरा क्रमांक 663/3, 665/3 रकबा क्रमशः 0.01, 0.01 हे0 कृषि भूमि को औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 25/07/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11/07/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

मैं हूं ना के लकी और संजना का 20 साल बाद रियूनियन

साल 2004 में फराह खान द्वारा निर्देशित फिल्म मैं हूं ना उन फिल्मों में से हैं, जिसे आज भी देखना फैंस को काफी पसंद है। इसमें शाहरुख खान और सुष्मिता सेन की जोड़ी देखने को मिली थी। जबकि जायद खान और अमृता राव को लक्ष्मण और संजना के किरदार में काफी फेमस हुए थे। हाल ही में जायद खान ने एक वीडियो शेयर की थी, जिसमें वह फिल्म के गाने चले जैसे हवाएं गाने में पहनी हुई जैकेट उनके बेटे पहनते हुए नजर आए थे। इसके बाद फैंस की यादें ताजा हो गई थीं। इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें 20 साल बाद लकी और संजना यानी जायद खान और अमृता राव मिलते हुए नजर आ रहे हैं।

जिस हीरोइन को हर हीरो ने किया रिजेक्ट, फोटो देखते ही दारा सिंह ने दे दिया था उसे काम

16 फिल्में की साथ अब कहलाती हैं टॉप एक्ट्रेस

मुमताज का नाम बॉलीवुड के उन सेलेब्स में शुमार है जिन्होंने फिल्म इंड्स्ट्री के पीक को देखा है। साठ से लेकर सत्तर तक का दशक ऐसा था जब मुमताज के नाम का डंका बजा करता था। फिर चाहें बात डांस की हो, एक्टिंग की हो या फिर स्क्रीन प्रेजेंस की हो,मुमताज हमेशा लाजवाब ही रहीं। लेकिन ये बहुत कम लोगों को पता होगा कि मुमताज के लिए ये पहचान बनाना आसान नहीं था। बतौर सपोर्टिंग एक्ट्रेस काम शुरू करने वाली मुमताज को पहले तकरीबन हर हीरो ने रिजेक्ट कर दिया था। एक रियलिटी शो में खुद मुमताज ने इस घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें बार बार रिजेक्ट किया जाता था।मुमताज जब बतौर साइड एक्ट्रेस काम करती थीं तब वो इस कोशिश में लगी थीं कि वो किसी तरह मेन स्ट्रीम हीरोइन बन सकें। लेकिन कोई हीरो उनके साथ काम करने को तैयार नहीं था। ये बात खुद मुमताज ने एक रियलिटी शो में शेयर की जिसका वीडियो सुहाना दौर नाम के इंस्टाग्राम हैंडल से वायरल हो रहा है।

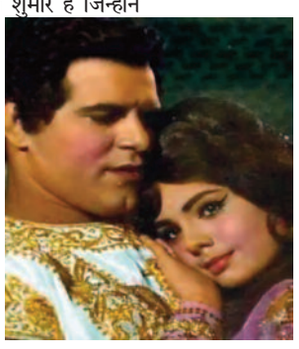

इस शो में मुमताज ने बताया कि उनके साथ कोई हीरो काम करने को तैयार नहीं था। तब दारा सिंह ने कहा वो हीरोइन कौन है मुझे बस फोटो दिखा दो। दारा सिंह को मेकर्स ने फोटो दिखाई और दारा सिंह उनके साथ काम करने को तैयार हो गए। मुमताज ने कहा वैसे भी उस वक्त दारा सिंह के नाम से फिल्में चला करती थीं। इसलिए उन्हें हीरोइन के फेस से कोई फर्क नहीं पड़ता था।

दारा सिंह ने मुमताज के साथ पहली फिल्म फौलाद की। ये मुमताज की बतौर हीरोइन डेब्यू मूवी थी जो दर्शकों को भी बहुत पसंद आई। जिसके बाद मुमताज और दारा सिंह ने एक साथ तकरीबन 16 फिल्मों में काम किया। जिसमें फौलाद के अलावा वीर भीष्म,सैमसन,हरक्यूलिस,आंधी और तूफान,टारजन कम्स टू डेल्ही,टारजन एंड किंग कॉन्ग,सिकंदर ए आजम,रुस्तमे हिंद, राका,खाका,बॉक्सर,जवान मर्द,डाकू मगंल सिंह,दो दुश्मन और जंग और अमन नाम की मूवीज शामिल हैं. इन सभी फिल्मों में ये जोड़ी खूब पसंद की गई। इसके बाद मुमताज भी शीर्ष हीरोइनों में शामिल हुई।

खुला पत्र

आपके स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद विभाग का हाल-बेहाल है... मंत्री जी...यह बात चौथा स्तंभ नहीं बताएगा...तो कौन बताएगा...?

» कोरिया में कैसे होगी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की निगरानी...

» पंप संचालकों ने उधारी के बाद डीजल देना बंद किया...

» यह आपका ही विभाग है माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी...

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर,12 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाना चाहते हैं वह सिर्फ इसलिए कि उन्हें अखबार में वाही-वाही पसंद है,यदि अखबार विभाग की कमियों का प्रकाशन करता है तो उसे तरह-तरह से दबाने का कुत्सित प्रयास मंत्री द्वारा खुद ही किया जाएगा। विभाग में असंख्य कमियां हैं...विभाग सीधे आम जन से जुड़ा हुआ है...तनिक भी लापरवाही और कमी का असर जनता पर ही पड़ना है...लेकिन स्वास्थ्य मंत्री को इन सबसे कोई लेना-देना नहीं...क्योंकि सत्ता और पद का घमंड अभी सर चढ़कर बोल रहा है। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधा दिनों-दिन बेपटरी होती जा रही है,लेकिन सलाहकारों के प्रभाव में मंत्री को यह सब नहीं दिखलाई दे रहा है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के पड़ोसी जिला कोरिया में अब एक नया मामला सामने आया है जो कि अत्यंत हास्याप्रद है, इतने में भी यदि मंत्री को समझ ना आए तो यह घोर आपत्तिजनक है।

महीनों से नहीं हुआ पंप संचालक को भुगतान,1 जुलाई से डीजल मिलना बंद

कोरिया जिला स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की माने तो विभाग में प्रदेश भर में त्राहिमाम मचा हुआ है। इससे पहले ऐसी स्थिति कभी नहीं रही। बतलाया जाता है कि कोरिया जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी हेतु अलग-अलग शाखाओं को वाहन भी आबंटित किया गया है, जिनमें कि प्रभारी स्थानीय पंप संचालकों से डीजल भराकर क्षेत्र का दौरा करते थे। अब इस माह से पंप संचालकों ने पिछले नवंबर-दिसंबर से भुगतान ना होने के कारण डीजल देना बंद कर दिया है। बतलाया जाता है कि सीएमएचओ के माध्यम से एनएचएम शाखा का लगभग 8 लाख रूपये राज्य द्वारा प्राप्त ना होने के कारण भुगतान नही किया गया है। बतलाया जाता है कि राशि स्वीकृत होने के बाद राज्य से राशि जिले में नहीं भेजी गई,जिससे कि वाहन में डीजल नहीं डलाया जा रहा है और राष्ट्रीय कार्यक्रम की निगरानी नहीं हो पा रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत मलेरिया,टीबी,टीकाकरण, कुष्ठ आदि अभियान में चल रही वाहनें बंद होने से अब इनकी निगरानी बंद हो चुकी है। सीएमएचओ के रेगुलर हेड से डीजल मिलने पर कुछ वाहनें जरूर चल रही हैं।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन घटती घटना राजधानी समाचार अम्बिकापुर, मंगलवार 09 जुलाई 2024 8

खुला पत्र

क्या स्वास्थ्य मंत्री की कुर्सी जाएगी या आरएसएस के होने का मिलेगा फायदा?

» मंत्री के साथ राज्य भर में बिगड़ी स्वास्थ्य विभाग की चाल...क्या कुर्सी बचा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?
» 6 माह का निराशाजनक रहा स्वास्थ्य मंत्री का कार्यकाल...गृह जिले से लेकर पड़ोसी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं ने तो दम...
» कार्यकाल खराब होने का परिणाम ही है कि अपने गृह क्षेत्र से लोकसभा मे 14 हजार से हुए पीछे...
» आलोचना से घबरा रहे हैं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल...मंत्री पद बचाने अब कर रहे जद्दोजहद...
» पहले सिर्फ फोटोबाजी और हवा-हवाई दावे और दिखावे में रहे मस्त...
» क्या मंत्री पर भारी हैं निज सचिव... जिनके इशारे पर ही होते हैं सारे काम?

जल्द होने वाला है प्रदेश की विष्णु सरकार का विस्तार,बचेंगे या जाएंगे स्वास्थ्य मंत्री,राजधानी से लेकर गृह क्षेत्र में चर्चा का विषय...

» विभाग में मची है मर्जीशाही,नहीं संभाल पा रहे स्वास्थ्य जैसा विभाग मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल...
» दलालों और सप्लायरों से घिरे हैं मंत्री,सत्ता और संगठन भी चल रहे नाराज, मंत्री को किया गया है इशारा:सूत्र...
» पार्टी पदाधिकारी और संघ से जुड़े लोगों का काम भी नहीं कर रहे स्वास्थ्य मंत्री...हुई शिकायत...

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...का नवां दिन

कलम बंद...का नवां दिन

कलम बंद...

कलम बंद...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

बीएमओ को भी डीजल मिलना बंद,बाजार-हॉट योजना प्रभावित

बतलाया जाता है कि स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत बाजार-हॉट योजना संचालित होती है,इसके अंतर्गत पटना बीएमओं के माध्यम से भी इस योजना अंतर्गत वाहन चलती है जो कि बाजार स्थल में जाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया उपलब्ध कराती है लेकिन बीएमओ पटना के रेगुलर हेड में पैसा ना मिलने के कारण पंप संचालक ने डीजल देने से मना कर दिया है। यहां भी लगभग 9 लाख रूपये का भुगतान बाकी है।

अभी तक नहीं आया आरओपी

एनएचएम यानि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत इस वर्ष के लिए आरओपी अप्रैल माह में ही आ चुका है लेकिन आरओपी जिला स्तर पर नहीं भेजा गया है। आरओपी यानि कि स्वीकृत एनएचएम पीआईपी को आरओपी कहा जाता है और इसमें वित्तीय वर्ष के लिए अनुमोदित गतिविधियों के साथ-साथ उनके संगत बजट का भी उल्लेख होता है। निधि आबंटन और रिलीज केन्द्र स्वीकृत पीआईपीके लिए धनराशि आबंटित करता है और उसे जारी करता है। प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए अभी तक आरओपी नहीं भेजा जाना भी काफी संदेहास्पद है।

अभी तक नहीं मिला एनएचएम कर्मियों को मानदेय...

कोरिया में एनएचएम अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को इस माह का अभी तक मानदेय नहीं दिया गया है। कोरिया जिले में लगभग 350 कर्मी कार्यरत है जो कि आर्थिक रूप से परेशान है। कम मानदेय प्राप्त करने वाले कर्मचारी इससे ज्यादा पीड़ित हैं। कर्मचारी नौकरी बचाने कुछ बोलना नहीं चाहते। यह स्थिति राज्य भर में बनी हुई है। कोरिया जिले में 25 करोड़ से अधिक की राशि प्रतिवर्ष एनएचएम को प्राप्त होती है।

राज्य स्तर पर खरीदी की तैयारी,आखिर क्यों?

बतलाया जाता है कि एनएचएम अंतर्गत विभिन्न जिलों के लिए राशि का आबंटन किया जाता है लेकिन इस बार जिलों को राशि का आबंटन नहीं किया गया है। बतलाया जाता है कि इस बार मंत्री जी की इच्छा पर खरीदी राज्य स्तर से की जानी है इसलिए जिलों को राशि का आबंटन नहीं किया गया,अब सारी खरीदी राज्य स्तर से किये जाने की चर्चा है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि विभाग में प्रदेश भर में यही स्थिति बनी हुई है,कर्मचारी परेशान हैं।

क्या इन कमियों को बतलाना जरूरी नहीं है मंत्री जी?

घटती-घटना अखबार के द्वारा प्रदेश में लचर स्वास्थ्य सुविधा को लेकर लगातार खबर का प्रकाशन किया जा रहा था और यह बात प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को अच्छी नहीं लगी तो मंत्री जी ने कमियों को ठीक करने की बजाए उल्टा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को ही कुचलने का प्रयास शुरू कर दिया। आज भी जिस प्रकार से कमियों को बतलाया जा रहा है वह प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए सिर्फ एक खबर है उन्हें इससे कोई लेना-देना नहीं कि पैसे के अभाव में पंप संचालक ने डीजल देना बंद कर दिया है। जब वाहनों को डीजल नहीं मिलेगा तब वाहनें और एनएचएम के विभिन्न शाखाओं के प्रभारी ग्राउंड स्तर तक दौरा कैसे करेंगे यह बड़ा सवाल है। अब यदि इस प्रकार की कमियों को देखकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को यह लगता है कि अखबार को दबा लिया जाएगा तो यह कतई संभव नहीं है।

घटती घटना राजधानी समाचार अम्बिकापुर, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 8

खुला पत्र

प्रभारी डीपीएम के पिता ठेकेदार...भाई तकनीकी सहायक...जनपद पंचायत बैकुंठपुर में...क्या तीनों मिलकर शासन को लगा रहे चूना?

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में मिली कई खामियां, फिर भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे क्यों बैठा है?

क्या स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम प्रिंस जायसवाल के सामने प्रशासन व मंत्री सब नतमस्तक?

क्या कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग

क्यूं न लिखूं सच

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

घटती घटना लेख एवं विचार अभिव्यक्ति अम्बिकापुर, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 2

संपादकीय

एक भाई थे भूपेश बघेल के ओएसडी,दूसरे भाई को स्वास्थ्य मंत्री ने बनाया ओएसडी और तीसरे को बना डाला सीएस...

क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का

क्या खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के प्रमाण-पत्रों की जांच करा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?

कलम बंद...का बारहवां दिन

कलम बंद...का बारहवां दिन

कलम बंद...

कलम बंद...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)